B A Semester III MJC-3

Topic

Introduction to Macroeconomics

कृपया पुस्तक

MACROECONOMICS N . GREGORY MANKIW

Harvard University

Worth Publishers

जिसकी एक copy निम्न web link पर उपलब्ध है

https://jollygreengeneral.typepad.com/files/n.-gregory-mankiw-macroeconomics-7th-edition-2009.pdf

को follow करें।

इसके Chapter 2 को पढ़ें जिसका नाम The Data of Macroeconomics है।

इसके अंतर्गत Section 1 में "Measuring the Value of Economic Activity: Gross Domestic Product है।

यह NCERT के समष्टि अर्थशास्त्र के अध्याय 2 "राष्ट्रीय आय का लेखांकन" में आप पढ़ चुके हैं। इसे अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में उन्हीं अवधारणाओं/ कॉन्सेप्ट्स का Revision समझें।

पुस्तक के इस अध्याय के Section 2 का नाम है Measuring the Cost of Living : The Consumer Price Index ....

इसे गहनता से समझना आवश्यक है। यह हमारे syllabus/ पाठ्यक्रम के पेपर MJC - 4 का भाग है। इसका नाम अर्थात् STATISTICAL METHODS IN ECONOMICS है। इसमें अन्य मूल्य सूचकांक की अलग- अलग गणना विधि सिखायी जाएगी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की भी गणना विधि सिखायी जाएगी। पेपर 3 में इसे समष्टि अर्थशास्त्र से जोड़ा गया है। साथ ही मूल्य वृद्धि को मापने, उपभोक्ता पर इसके प्रभाव साथ ही साथ अर्थशास्त्र के अन्य परिवर्तियों /variables / data को यह कैसे प्रभावित करता है समझाया गया है।

इस अध्याय का अंतिम खण्ड 3 Measuring joblessness: The Unemployment Rate है। आर्थिक गतिविधियों की मजबूती अथवा उनकी शिथिलता का सीधा प्रभाव श्रम बाजार और श्रम के

नियोजन पर पड़ता है। मंदी की स्थिति में श्रमिकों के नौकरी का नुकसान अथवा उनके कार्य/आय का नुकसान होता है।

अर्थव्यवस्था में ऊंची बेरोजगारी दर न केवल एक आर्थिक समस्या है अपितु यह एक सामाजिक समस्या भी है। ऐसे में इसे मापना, इसके कारणों को ढूंढना साथ ही व्यावहारिक समाधान/हल खोजना किसी समाज/सरकार की जिम्मेदारी है।

इस पुस्तक के पहली दो अध्यायों को आगे के अध्यायों का आधार अर्थात् building blocks माने। इसलिए इनको पहले ही ठीक से समझ लेना आवश्यक है।

अतः इस अध्याय का गहनता से अध्ययन करें।

आप आगे जो पढ़ेंगे उसे समझने और appreciate करने में यह आपकी मदद करेगा।